



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 113]

नई दिल्ली, सोनवार, मई 19, 1986/वैशाख 29, 1908

No. 113]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 19, 1986/VAISAKHA 29, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

परिशिष्ट

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 97-आईटीसी(पीएन)-85-88

नई दिल्ली, 19 मई, 1986

विषय.—महाराष्ट्र सरकार के सिवार्ड विभाग की उज्जैनी जल-विद्युत परियोजना के कार्यान्वयन के लिये जापान के ओईसीएफ द्वारा विस्तारित 1.5 बिलियन येन (1985-86) के येन क्रेडिट के अधीन उपकरण और सेवाओं के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं० आई पी सी/28(29)/85-88 : महाराष्ट्र सरकार के सिवार्ड विभाग की उज्जैनी जल-विद्युत परियोजना की आयात आवश्यकताओं को वित्त पोषित करने के लिये जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा स्वीकृत 1.5 बिलियन येन क्रेडिट के अधीन आयात लाइसेंस जारी करने को नियंत्रित करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिये अधिसूचित की जाती हैं।

राष्ट्रीय धोखन मिश्र मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

जापान की विदेशी आर्थिक सहायता निधि (ओईसीएफ) द्वारा विस्तारित महाराष्ट्र सरकार, सिवार्ड विभाग की उज्जैनी जल-विद्युत परियोजना का कार्यान्वयन करने के लिये 1.5 बिलियन येन के येन क्रेडिट के अधीन उपकरण और सेवाओं के आयात करने से संबंधित लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड—1 सामान्य शर्तें :—

1(1) महाराष्ट्र सरकार, सिवार्ड विभाग की उज्जैनी जल-विद्युत परियोजना की आयात आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिये जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा प्रदान किया गया 1.5 बिलियन येन का ऋण भारत सहित जापान और विकासशील देशों के लिये सामूहिक है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों भारत सहित से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र जोत देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी मूल्य के लिये लाइसेंस जारी किये जा सकते हैं जिनके लिये महाविदेशालय,

तकनीकी विकास/उद्योगत मान समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किये गये आयात लाइसेंस (गों) का मूल्य 1.65 ब्रिजियन (लागन-सीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिये।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमा-शुल्क) द्वारा परिगुणित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं० 78-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतित दर पर निर्धारित किया जायेगा, जिसमें यह भी उल्लेख है कि सीमा-शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (गों) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस के मूल्य को उसके नामे डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन क्रेडिट सं० आई टी सी 34" होना। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिये लाइसेंस में "एम/जेमो" कोड होगा। महाराष्ट्र सरकार सिचाई विभाग को जापान लाइसेंस भेजने समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी इस बृहत्ता जायेगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जगण अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिये।

1(3) लागन-सीमा-भाड़ा के आधार पर केवल बी एच पी सी के नाम में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) आयातक को सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के अधीन जारी किये जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 1.8 ब्रिजियन येन (लागन-सीमा-भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिये जैसा कि ऊपर पैरा 1(1) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता अवधि में वृद्धि आवेकक द्वारा आवेदन करते पर 12 महीने की और प्रवृत्ति के लिये बढ़ाई जा सकती है।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किये जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत स्थापित संबंध माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परिवर्ण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिये। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के भी भाग हों और एतद्वारे लाइसेंस पर हो प्रसारित किये जायेंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संस्करणों को जहाज पर निशुल्क/लागन और भाड़ा के आधार पर दिये जाने चाहिये और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिये जाने चाहिये। सीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संस्करणों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिये गये उन रूप जायेगों से है जो विदेशी संस्करण द्वारा विनिर्दिष्ट हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संस्करण दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित रूप संविधा हो। विदेशी संस्करणों के भारतीय अधिकर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश आवश्यक नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जायेगा जब तक कि ठेके के पूर्ण प्रस्तावित आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार

महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को न पहुंच जायें। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश, किसी भी कारणों से नहीं दिये जा सकने हैं जो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिये जा सके। इस कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संशुद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिये। आदेश देने को प्राप्ति में वृद्धि के लिये ऐसे आदेशों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा जापान के प्राचार पर विचार किया जायेगा वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिये वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। विवेक पर वृद्धि इन लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिये मांगी जाती है जो ऐसे प्रस्ताव निरवकाश रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य-विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेजे जायेंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिये प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को देयिन करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करते वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी, आयात लाइसेंस के अधीन किये गये संभरण ठेकों में बैंक गारंटी साख पत्र स्थापित करने के लिये प्राधिकार पत्र नुन्य रूपवा जमा कराने आदि की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस का समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिये। माल के पोतवदान पर भ्रमण-भ्रमण भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिये। ठेके में पक्के आधार पर अर्थात् पोतवदान वस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिये। विदेशी संस्करण से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। माल के वितरण की अवधि के लिये ठेके में निम्नलिखित अनुसार व्यवस्था होनी चाहिये :—

"साख-पत्र की प्राप्ति के बाद ..... महीने परन्तु अधिक से अधिक ..... के भन्त तक पूर्ण किया जाता है।"

पोतवदान के लिये प्राप्ति तिथि निश्चित करने में इस यात्र का ध्यान रखना चाहिये कि यह तिथि 30-6-1990 के बाद की न हो।

खण्ड—2 सम्भरण ठेके का सम शीता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यंत निशुल्क मूल्य लागत और भाड़ा मूल्य येन में (येन को भिन्न के बिना) अनिवार्य होना चाहिये और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिये जो कि भारतीय रुपये में भुगतान चाहिये। भारतीय रुपये या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थितियों में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिये। अब आदेश और संभरण द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिये।

2(2) ऋण की राय में से वित्त पोषण की जाने वाली माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति निम्नलिखित परिपूरक निर्धारणों के सहित ऋण के अधीन अधिप्राप्ति के लिये मार्गदर्शनों के अनुसार की जायेगी।

(क) यदि किसी मामले में माल-और सेवाओं का आकलन 300 मिलियन येन से कम नहीं है तो :—

- (1) यदि यह प्रस्तावित किया जाता है कि पूर्व भर्तों के सहित औपचारिक खुली अंतर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति प्रक्रिया का बिकल्प लिया जाना है तो अधिप्राप्ति तरीके के अनुमोदन के लिए ओ ई सी एफ की प्राप्ति के अतिरिक्त उसका पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- (2) सफल बोलीकारों को निर्णय की सूचना देने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ ई सी एफ की अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपयुक्त आवेदन पत्र के साथ पूर्व भर्तों की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित संविदा, बोली से संबंधित विशिष्टकरण और ड्राइंग और अन्य दस्तावेज भी ओ ई सी एफ की उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम आकलन किए जाने वाले मूल्य की माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ओ ई सी एफ का पूर्व अनुमोदन संविदा का निर्णय देने के लिए इस बात पर ज़रूरी नहीं है कि निविदा के डेर को युक्तिसंगत बोटा गया है। लेकिन यदि ओ ई सी एफ एक निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि के लिए अनुरोध करता है तो उसे ओ ई सी एफ की उसकी पुनरीक्षा के लिए भेजा जाएगा।

(ग) उपयुक्त (क) (1), क(2) और (ख) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आवेदक द्वारा आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में ओ ई सी एफ को प्रस्तुत करने के लिए भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक टोकियो द्वारा 1985-86 के लिए ओ ई सी एफ येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-34 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साख-पत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका व्यौरा नीचे खण्ड-7 में विभा गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में, एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरंत बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान विभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता :—संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होंगे या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शासित वैध व्यक्ति होंगे।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात :—जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तियन किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक का मूल्य मद्भार आधार पर आयातित भाग 30 प्रतिशत से कम हो :—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयातक शुल्क}}{\text{संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य}} \times 100$$

(भारतीय संभरक के मामले में कारखाने पर कीमत अपनाई जाएगी।)

2(7) संविदा में घोषणा :—प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्न-लिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :—

मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल— (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

मैं, अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है :—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयातक शुल्क}}{\text{संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य}} \times 100$$

(जहां कारखाना मूल्य लागू हो)

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि— (पात्र स्रोत देश का नाम) में— (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और— के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

(पात्र स्रोत देश का नाम)

खण्ड-3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली बातें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए :—

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच उज्जैनी हाइड्रो विद्युत परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आई डी पी-34 (परियोजना सहायता) से संबंधित 25 नवम्बर 1985 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए।

(ख) संभरणों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी 34 से संबंधित 25 नवम्बर 1985 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक आफ टोकियो टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा येन ऋण के अधीन अर्पणित हों।

(घ) उपयुक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (नौ प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरण संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय तूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय तूतावास, टोकियो को शामिल मान की चुनौती के कार्यक्रम से भ्रमण करायेंगे और पोत तदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय तूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोततदान के पश्चात आवश्यक व्यौरा देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय तूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पत्र के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और संभरक दोनों द्वारा विविधन हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो संभरणों द्वारा निहित में मुद्रित आदेश के साथ हो या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों और अनुबंध 2 में दिए गए प्रपत्र में "अधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र" की दो प्रतियों सहित, आर्थिक कार्य विभाग, को भेजी जाएगी।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय-वस्तु के लिए अनिवार्य आगोधानों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) संविदा की प्रति के सहित संविदा निष्पादन करने का नोटिस ओ ई सी एफ को उसकी पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। संविदा के साथ संविदा निष्पादन करने के नोटिस प्रत्येक की एक प्रति भी आर्थिक कार्य विभाग द्वारा, भारतीय दूतावास टोकियो और लेखा परीक्षा नियंत्रक कार्यालय को भेजी जाएगी जिसके साथ "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र" की एक प्रति और आयात लाइसेंस की फोटो प्रति भी भेजी जाएगी।

खण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान—माध्यम क्रियाविधि

5(1) संविदा के निर्णय की सूचना और संविदा दस्तावेजों के प्राप्त होने पर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, लेखा परीक्षा नियंत्रक संबंधित विदेशी संभरक के नाम में अनुबंध-4 (आयातों के लिए) या अनुबंध-5 (सेवाओं के लिए) में दिए गए प्रपत्र के अनुसार अपरिवर्तनीय साख पत्र खोलने के लिए भारतीय बैंक की टोकियों शाखा को अनुबंध-3 में दिए गए प्रपत्र के अनुसार प्राधिकार पत्र जारी करेगा। प्राधिकार पत्र की प्रतियां विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ), भारतीय दूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक के आयातक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को भी पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर बैंक आफ इण्डिया टोकियो अनुबंध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक-एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा। सी ए ए एण्ड ए मे प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या प्रत्यक्ष के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगा।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साख पत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इण्डिया टोकियों को प्रस्तुत करेगा (यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इण्डिया, टोकियों दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिलीज करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।)

संविदा मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि की प्राप्ति पर ओ ई सी एफ द्वारा एक बचन बढ़ता पत्र जारी किया जाएगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा ऋण/निधि में से अपने भाग भुका जाएगा। आयातक को ओ ई सी एफ से या लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर बचन बढ़ता खर्च के इस पत्र के तुल्य रुपया भारत सरकार के लेखे में जमा कराना पड़ेगा। ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि से और रुपया निक्षेप करने की तिथि तक (दोनों दिन मिला कर) का ब्याज भी आयातक द्वारा चालू दर पर भुका किया जाएगा।

आयातक द्वारा इस प्रकार के 0.10 प्रतिशत के खर्च भी प्रति पूति प्रक्रिया के अधीन वेय है।

5 (4) साखपत्र खोलने उसके अधीन सीमा करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के बैंकों के अन्य प्रचारों के लिए बैंक आफ इण्डिया टोकियो को वेय बैंकिंग प्रभार आयातक/विदेशी संभरकों द्वारा चुकाए जाएंगे। उस अवधि के लिए बैंक आफ इण्डिया टोकियों को वेय बैंक प्रभार जो कि उनके द्वारा आयातों की कीमत के भुगतान की तारीख से ओ ई सी एफ द्वारा विदेशी संभरकों को प्रति-पूर्ति की तारीख तक होगा, का

निपटान, भारत सरकार के लेखे को प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से बैंक आफ इण्डिया के लिए प्रेषण द्वारा भारत में आयातक के संबंध बैंक द्वारा किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि भारतीय संभरकों के मान एवं सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की धनराशि के वितरण के लिए क्रियाविधि ऋण समझौते के साथ नथ्यो की गई प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को निरपवाद रूप से परकाय्य जहाजरानी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का भुनिश्चित करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, लीस हजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। विदेशी संभरकों को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपया सार्वजनिक सूचना सं 74-आई टी सी/पी एन/74 दिनांक 31-5-1974 में निर्धारित तरीके में भारत सरकार के लेखे में जमा कराना है।

इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि वेय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वेय धनराशि अपने ऋण-दस्तावेजों से दस्तावेजों की सुपुर्दगी देने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि वेय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी गई है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के भ्रमगत सीमानुसार प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को वेय धनराशि को मान की सुपुर्दगी देने से पहले जमा नहीं कर पाता तो भागे के लिए उसे प्राधिकार पत्र लेना बंद कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को भागे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा सीध में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के" डिपोजिट्स एण्ड एक्वासिज 843 सिविल डिपोजिट्स डिपोजिट्स फार परचेजिंग एट्रस्ट्स एंड्रोड परचेज एंडर क्रेडिट/लोन एग्रीमेंट" सोन फोम दि गवर्नमेंट आफ जापान 1.5 विलियम येम क्रेडिट सं. आई टी पी-34 फार दि उज्जैनी हाईड्रो हाइड्रिक प्रोजेक्ट होना चाहिए। सरकारी विभाग द्वारा आयातों के सम्बन्ध में कोई ब्याज बसूल नहीं किया जाएगा इसलिए ब्याज के भुगतान के सम्बन्ध में सार्वजनिक सूचना दिनांक 31-5-1974 के प्रावधान इस मामले में लागू नहीं होंगे।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इण्डिया, लीस हजारी, दिल्ली में बचान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 51,30000009 का संकेत देते हुए सरकार को साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन) /68 दिनांक 30-8-1968, सं. 233 आई टी सी (पी एन)-68 दिनांक 24-10-68, सं. 132 आई टी सी (पी एन) 71 दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी सी/पी एन/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर संबंध भारतीय बैंक भी उपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। जापान के विभिन्न कालों को सरते समय आयातकों/उत्प्रेत बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित

सूचना बालान के कालम "धन परेषण" और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे में निरपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना बालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:-

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी ए ए एण्ड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संघर्ष देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संवेक्षण करते हुए खजाना बालान रखा जाता है तथा साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एण्ड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी: भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपए का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की भद्रायमी की सूचना और अपरिपक्वनीय पोतलक्षण दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी ए ए एण्ड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक को लाईसेंस को मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पुष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

#### खण्ड 7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाईसेंस को उपयोग करने की रिपोर्टें

आयातक का पोतलक्षण और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साक्ष्य पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्टें सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तें अधिसूचित करना

लाईसेंसधारी को आयात लाईसेंस में दिए गए उन विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो लेन-देन करने में संभरक पर प्रभाव डालने हों।

7(3) विवाद यह समझ लेना चाहिए कि लाईसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तर-दायित्व नहीं लेगी भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध को में "भुगतान की शर्तों के प्रस्तुत" धृष्टी तब से स्पष्ट कर लेनी चाहिए संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

7(4) अविष्य अनुदेश आयात लाईसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते परियोजना सहायता सं. आई टी पी 34 के अधीन सभी मामलों को जापान के विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निदेशों अनुदेशों या आदेशों का लाईसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उत्प्रेषण उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उत्प्रेषण करने पर आयात-निर्यात नियंत्रण अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची

1. अनुबंध-1 पात्र कोट देशों की सूची

2. अनुबंध -2 अधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुमोद

3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र

4. अनुबंध-4 साक्ष्य पत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)

5. अनुबंध-5 साक्ष्य पत्र का प्रपत्र (निर्वाहों के लिए लागू)

#### अनुबंध I

पात्र स्तोन देशों की सूची

(क) निम्नलिखित देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से विश्व विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा

मिड  
मोरोको  
युनैनिश

2. अफ्रीका, उत्तरी सहारा

अंगोला  
कैमेरून  
चाद  
मध्य गिनि (1)\*\*  
घाना  
कर्निवा  
मालाभास/ गणतंत्र  
मारितैनिया, मारोको  
राबान्डा  
बोत्सवाना  
केप वर्डी द्वीप समूह  
कमोरो द्वीप समूह  
इथोपिया  
जिनी  
लैसोथो  
मालावा/  
मोजम्बिक  
युरबंड  
केन्द्रिय अफ्रीका गणतंत्र  
कांगो गणतंत्र, का गणतंत्र  
जाम्बिया  
माइबोरो कोस्ट  
लाइबेरिया  
माला  
नाइजर

1. स्पेनिश गिनी का पूर्ववर्ती क्षेत्र

सेंट हेलेना और देग (2)

सेविलिज

सुडान

टोगो

उपर बोसटा

माओ टोम और प्रिन्स द्वीप समूह सहित

सिमरा निओन

स्वाजिलैण्ड

युगाण्डा

जाहरे गणतंत्र

सेनेगल

सोमालिया

टैर/ ताफस ओइ इस्तात

तैजानिमा गणतन्त्र संघ  
जाम्बिया

### 3. अमेरिका, उत्तर और केन्द्रिय

बेटुस  
बर्मुडा कोस्टास्का  
डोमिनिकन गणतन्त्र  
इक्वाडोर  
जमैका  
नैदरलैण्ड अस्ट्रिलेज  
सैंट पियरी और निकेवान  
मार्थाहोव  
कोस्टारिका  
एल साल्वदोर  
हर्ती  
मार्टिनिक  
भिकारगुवा  
ट्रिनिडाड और टोबागो  
वेलाज  
बर्मुडा  
गुवाडेलोप  
होण्डुरस  
मेक्सिको  
पनामा  
वेस्ट इण्डिज (गण) एन० आई ई०

(क) सह-संघ राजस (1)

(ख) आशिय (2)

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित—

असेन्शन, ट्रिनिडाड इन एसोसिएट्स, नाटिवेल गफ

(3) मुपुन द्वीप समूह अरबा, बानाहरे, कबुराकीबी, साहा, सेन्ट यूस्टाफिट

सेन्टा मारिन्टन (दक्षिण भाग)

### 4. दक्षिण अमेरिका

अर्जेंटीना  
ब्रिजो  
फ्रांसिसी गुयाना  
ब्रास  
बोलिविया  
कोलम्बिया  
गुयाना  
सुरिनाम  
ब्राजील  
फरक सीण्ड द्वीप समूह  
पराग्वे  
उरुग्वे

### 5. मध्य-पूर्वी एशिया

बहुराना  
जैकनान  
मूसा हटिख अरब अमिरात  
इजराइल  
जोर्डन  
यमन अरब गणतन्त्र  
कीरेंन  
सिरियाई अरब गणतन्त्र

यमन जनवादी  
ई और (4)

### 6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान  
बर्मा  
नेपाल  
बांग्ला देश  
भारत  
पाकिस्तान  
श्रीलंका  
मालदीव  
ओमहा

### 7. सुदूर पूर्वी एशिया

बर्मा  
कोरिया गणतन्त्र  
मलेशिया  
ताइवान  
बियतनाम गणतन्त्र  
हंगकांग  
लाओस  
फिलिपाइन  
साइलैण्ड  
बियतनाम जनवादी गणतन्त्र  
ख्मेर गणतन्त्र  
मकाओ  
सिंगापुर  
तिमोर

### 8. ओसिनिया

कोक द्वीप समूह  
फ्रांसिसी पोवनेशिया (5)  
न्यू हेब्रिडिस (ओ और फ)  
पापुवा न्यू गिनी  
वालिस और फुतुना  
फिजी  
नाउ  
नियू  
सोलोमन द्वीप समूह (बा)  
पश्चिमी सामोआ  
गिल्बर्ट और इलाह द्वीप  
न्यू कैलेडोनिया  
पैसिफिक द्वीप समूह  
(संयुक्त राज्य (8)  
टोंगा

### 9. यूरोप

साइप्रस  
माल्टा  
यूगोस्लाविया  
जिब्राल्टर  
स्पेन  
ग्रीक  
तुर्की

## (1) मुख्य द्वीप एन्टिगुवा, ओकिनिक्वा, ग्रेनेडा

सेन्ट क्रिस्टोस (सेन्ट क्रिस्टोको) नेविया-एंगुइला सेन्ट लूसिया और सेन्ट विसेन्ट ।

## (2) मुख्य द्वीप मोन्टेसेरात, सेमान, सुर्की और काइकोस और क्रिटिम बिरसेन द्वीप समूह ।

## (3) अजमन, बुबई, कुजाइरत, रास अल सेमाह, बारजाह और उम अल कबैयेन ।

## (4) भवन और विभिन्न सन्तत और अमीरात सहित ।

## (5) सोसायटी द्वीप समूह (ताहिती सहित) आस्ट्रेल द्वीप समूह, टुआमोट, आम्बियर गुप और मार्किस द्वीप समूह ।

## (6) पैसिफिक द्वीप समूह का ट्रस्ट प्रदेश, फारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मेरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)

## (क) 2—ओ पी ई सी के सदस्य या सहयोगी देश

अल्बानिया

ग्रेनाडा

वेन्जुइला

क्यूबा

आबू-धाबी

बोलिविया

नाइजीरिया

ईरान

कतर

इन्डोनेशिया

लीथियाई अरब गणतंत्र

इक्वेडोर

ईराक

साउदी अरब

## अनुबन्ध-2

## प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन

संख्या ..... दिनांक .....

सेवा में,

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा निरीक्षक,  
वित्त मंत्रालय,  
आर्थिक कार्य विभाग,  
यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,  
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय:—येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी. (198-8 के लिए परियोजना सहायता के अंतर्गत) जापान से ..... का आयात ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी. .... परियोजना सहायता (के अधीन ..... से ..... आयात के संबंध में ..... बैंक का नाम ..... जो कि यही होना चाहिए जो नीचे (क) में सम्बद्ध समुद्रपार संभरक के नाम में साख पत्र खोलने के लिए किया गया है, को प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित व्योरे प्रस्तुत करते हैं:—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस तक बैंक है ।

(ग) प्राप्ति के तरीके ..... क्या वह सीधे क्रय या औपचारिक खुली अंतरराष्ट्रीय निविदा पर आधारित है । इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह उल्लेख होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण

(ङ) माल का उद्गम देश

(च) यदि कोई हो तो, पात्र से इतर छोट देणों से आयातित संघटकों का प्रतिशत ।

(छ) संविदा का कुल जहाज पर्यंत/निशुल्क/लागत एवं भाड़ा मूल्य (येन में)

(ज) भारतीय एजेंटों के कमिशन की धनराशि (येन में) यदि कोई हो ।

(झ) समुद्रपार संभरक को देय वास्तविक जहाज पर्यंत निशुल्क/लागत एवं भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है ।

(ण) समुद्रपार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक ।

(ट) समुद्रपार के संभरक का नाम, पता तथा गतिवृत्त ।

(ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित नियमों जिनको संविदा के के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे ।

(ड) सुपुर्देगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि ।

(क) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाने हुए) ।

(ख) पौतलदान अनुदेश (बाह्यनास्तरण/पार्टिशिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट की जाए) ।

(स) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।

(घ) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिमूर्चित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अंतर्गत ओ. डी. सी. एक. को इसे अधिमूर्चित किया गया है ।

(ङ) क्या साख-पत्र के मंचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय बैंक खर्च आयातकों/या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं ।

(च) आयातक द्वारा बचनबद्धता:—

“हम एतद्द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रूप को पूरा और सही अंसा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निक्षेप मास (आयातित सामग्री) की सुपुर्देगी सोंपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियां अंसा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्रियता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के माध्यमों में, किए गए व्ययों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए, त्योंही धनराशियां अंसा करा दी जाएं।

अनुसूची-3

8. यह प्राधिकार पत्र ..... तक वैध रहेगा।

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

सं. एक.....

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक.....

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा

टोकियो (जापान)

विषय. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई.सी.पी. के अन्तर्गत आयात ..... साख्ख पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक ..... को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एमबुद्धारा यथा संलग्न व्योरे के अनुसार सर्वश्री ..... के नाम में अधिपक्षम येन धनराशि के लिए अंतरराष्ट्रीय साख्खपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख्ख पत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ.ई.सी.एफ., भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पठाई जानी आए।

3. साख्ख पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जायेगा। भुगतान के साथ ओ.ई.सी.एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का बाका तत्काल करनी चाहिए।

4. विदेशी संभरकों को भुगतान करते समय आपको ..... (आयातक के बैंक का नाम और पता) मूल पोतनवान दस्तावेजों (परक्राम्य) के साथ-साथ दस्तावेजों का एक पूरा सेट और यदि कोई नकद भुगतान हो तो उसके सहित संभरकों को किए गए भुगतानों के नामे डालने वाले धीरेक की एक प्रति भेजनी चाहिए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा आपको उनकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत में सम्बद्ध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्यात किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साख्खपत्र खोलने/रखरखाव करने और साख्खपत्रों के संचालन करने और सोदा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे इसलिए आयात द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जायगा और इसलिए उन्हें सीधे ही आयातक या संभरकों से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का बाका ओ.ई.सी.एफ. से नहीं किया जा सकता।

6. जैसे ही आप कोई भुगतान करें और आपको उसका आदेशग्री की जाए उसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को भेजनी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साख्खपत्र खोलने के लिए है। साख्खपत्र में बाध में किए जाने वाले संशोधन या इस प्राधिकार के अन्तर्गत अधिपक्ष के साख्खपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार पत्र किए बिना बैंक नहीं होंगे।

9. ठेके से संबंधित और भुगतान वर्णित वाले बीजक के बारे में जो सारे पत्राचार में अनुदेश के इस पत्र के शीर्ष पर दी गई संज्ञा मिलें।

भवदीय,

लेखा अधिकारी

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक ..... को उनके पत्र सं ..... दिनांक ..... के संदर्भ में।

उनसे अनुसूच है कि वे बैंकों में विनिम्न दस्तावेजों की जिल्दगरी लेने से पहले निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से शर्मा निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबंध करें। यदि प्राचाद स्वल्प परिस्थितियों के कारण माल की जिल्दगरी सीधे ही सीमा शुल्क और पतन प्राधिकारियों से मूल पोतनवान दस्तावेज भेजे बिना प्राप्त कर ली जाती है तो जिल्दगरी लेने से पहले ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदन की जाए, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी और ठीक से न करने पर साइमेंप की शर्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

आयातक बैंक

2. (1) यह आयातक लाइसेंस सं ..... दिनांक ..... के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को साहित करने वाली लाइसेंसिंग शर्तों के अन्तर्गत जारी किया गया है। लाइसेंसिंग शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचना/प्रादेश आदि को देखें और आयात / विदेशी भुगतान से संबंधित उपायन कार्यवाही करें।

(2) ..... उनमें निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को भुगतान के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई.टी.सी (पी.एन)/76, दिनांक 17-1-78 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। यह सुनिश्चय किया जाना चाहिए कि ये निक्षेप आयातक को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों के मूल सेट देने से पहले ही कर दिए गए हैं।

3. यह धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के प्राहिनी और कोड सं. 5130000000 वंशति हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई.टी.सी (पी.एन)/68, दिनांक 30-8-68, 233-आई.टी.सी (पी.एन) 68, दिनांक 24-10-68, 132-आई.टी.सी (पी.एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74, आई.टी.सी (पी.एन)/74 दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103-आई.टी.सी (पी.एन)/76, दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्रावधानों की ओर लिया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा करना है "के रिप्राजिटस एंड एक्सासिज-843-सिबिल रिप्राजिटस-रिप्राजिटस फार परचेजिस एटस्टुटा ग्रवाई एंड परचेजिस अंडर क्रेडिट/लोन एप्रोमेंटस" लोन फ्राम दी गर्बनमेंट आफ जापान 1.5 बिलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं आई.सी.पी 34 फार 1985-86 है।

4. जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132 आई.टी.सी (पी.एन)/71 दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है, उनके चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया.



टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का मूल पूर्ण विवरण देते हुए प्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जाएगी :—

सहायता सेवा तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), पहली मंजिल,  
यू सी ओ बैंक बिल्डिंग, संजय मार्ग,  
नई दिल्ली-110001

5. जिन मामलों में मुख्य रूप से ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्गीनी हुंडी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। तनी मामलों में जमा किए गए मुख्य पत्रों का पूरा हयोर इस विभाग को भेजना चाहिए।

6. संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ ई सी एफ द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी प्रदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभार आपके द्वारा सामान्य बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ निर्णीत किए जाएंगे।

7. संभरक को किए जाने वाले सभी भुगतानों के लिए जब तक उक्त (ii) और (iii) के संबंध में कार्यवाही नहीं हो जाती मूल वस्तावेज (चाहे व्यापारिक बीजक, बैंक गारंटी, परफार्मेंस गारंटी, पोतलवान वस्तावेजों के परक्राम्य सैट आदि) आयातक को रीलीज नहीं किए जाने चाहिए।

8. विदेशी मुद्रा विनियम में प्राधिकृत डोलर के रूप में बैंक के कर्तव्य और उत्तरदायित्व भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न एंजीन परिपत्र में निर्धारित किए गए हैं। इस विशेष संदर्भ में परिपत्र सं. 22 दिनांक 18-6-77 की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

9. इस पत्राचार की पावती भेजी जाए और भविष्य में किए जाने वाले पत्र व्यवहार के लिए सन्दर्भ प्राप्ति लिखें।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि, टेकवसी यूडी बिल्डिंग, 4-1 मोहाटमेबी-1 कीमे, थियीडास्कू टोकियो-100

4. भारतीय दूतावास टोकियो

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

अनुबन्ध-4

(प्रपत्र ओ ई सी एफ.एल. सी-1)

अपरिवर्तनीय साख पत्र

(भास के लिए लागू)

दिनांक .....

सेवा में,

..... यह साख पत्र (ऋणी और विदेशी  
..... आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए  
..... ऋण करार सं ..... दिनांक .....  
..... के अनुसरण में जारी  
..... किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए बीजक के पूरे मूल्य के लिए दर्शनी हुंडी द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं ..... खोल दिया है जो .....  
240 GI/86

येन(..... येन कह सकते हैं) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित वस्तावेज के साथ भेजा जाता है :—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक

क्लीन भान बोर्ड, समुद्री पोतलवान बिल जिनमें दिए गए आवेशों का पूरा सेट हो वेन पूर्णतः पूर्ण विनिर्दिष्ट "क्रेडिट एवं नोटिफाइड" प्रत्येक वस्तावेज जिसमें ..... ले ..... तक

तक सबान का सत्यापन किया गया हो (संविदा सं ..... यदि कोई हो) के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आर्थिक पोतलवान स्वीकृत है।  
याहनात्तरण ..... स्वीकृत है।

हम एतद्वारा बताना देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इनको शर्तों की अनुमानना करके आगे किए गए सभी ग्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेशितों की वस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक प्रत्येक रूप से निम्नारपूर्वक न बताया जाए यह क्रेडिट "ग्रीनफिल्ड कस्टम एंड प्रेडिक्ट फॉर डाफर्मेट्स क्रेडिट (1974) रिवीजन इंटरनेशनल चेम्बर ऑफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है।

सौदा करी वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश:

1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत जारी किए गए वचन पत्र की व्यवस्था के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम सौदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ग्राफ्ट की धनराशि को लौटा देंगे।

2. ग्राफ्ट और वस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और इसके साथ एक प्रमाण पत्र यह बताने हुए: लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा हमें भेजे जाने चाहिए कि वस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा ..... को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च आयातक/संभरक के लेखे के लिए हैं।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा .....

प्राधिकृत हस्ताक्षर

अनुबन्ध-5

प्रपत्र ओ ई सी एफ.एल. सी II

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक .....

सेवा में,

..... यह साख पत्र ऋणी और विदेशी  
..... आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए  
..... ऋण करार सं ..... दिनांक .....  
..... के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपकी सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण बीजक मूल्य के लिए आवश्यक ग्राफ्ट एंड साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं ..... खोल दिया है जो येन ..... (येन ..... पहले) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा और परियोजना) से संबंधित दस्तावेजों को नयी करना है। सेवा तय करने के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिचितनीय "माख पत्र सं" दिनांक के अंतर्गत भुना लिए गए हैं।" से चिह्नित करते चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके भुनाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशिती को दस्तावेजों की सुदुर्गति पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न बताया जाए; यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेडिक्ट फॉर डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल बैंक ऑफ कामर्स नं. 290" के अधीन है।

सेवा करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और हमके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारंभिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता पत्र के उपबंधों के अनुसार विवेकी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतानों के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों की धनराशि का लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परेचित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मव 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेज की एक प्रति और मसौदा हमें उसकी प्राप्ति के तुरंत बाद ही भेजे जाएंगे।

4. इस साख के अंतर्गत बैंक के सभी खर्चें संभरकों को लेखे के लिए हैं।

भवदीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान की अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे पत्र सं. का एक अभिन्न अंग है।

#### 1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ..... येन

कुल संविदा मूल्य का ..... प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज लाभकारी विवरण की अंतिम भुगतान तिथि

#### 2. भुगतान वृद्धि

संपूर्ण योग की धनराशि ..... येन

#### 3. कुल संविदा मूल्य का

निम्न प्रकार से भुगतान किया जाना है:—

वेध धनराशि ..... अंतिम भुगतान तिथि

येन ..... येन

पहली किस्त येन ..... येन

दूसरी किस्त येन ..... येन

अपेक्षित दस्तावेज : (ऋणी अधिका उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण :

दिनांक .....

संभर्ष .....

सेवा में,

.....

.....

(संभरक का नाम और पता)

संभर्ष : ऋण करार सं. के अंतर्गत परियोजना से संबंधित ..... के नाम से ..... येन के लिए ..... द्वारा जारी किए गए साख पत्र की सं. .... दिनांक ..... में, अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋणी) एतद्वारा और ..... के बीच समझौता सं. .... दिनांक ..... में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार समुप्रचार आर्थिक सहायता निधि द्वारा ..... की धनराशि ..... येन केवल) प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन विवरण जारी करना हूं।

(.....)

(ऋणी)

द्वारा .....

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश:—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इस में 'संलग्न प्रपत्र में' दर्शाया जाएगा।

भुगतान की शर्तें

यह भुगतान की शर्तें हमारे क्रेडिट सं. का अभिन्न अंग हैं।

#### 1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि .....

कुल संविदा मूल्य का ..... % होता है

अपेक्षित दस्तावेज

अंतिम प्रस्तुत करने की तारीख

#### 2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो तो)

धनराशि ..... !

कुल संविदा मूल्य का ..... % होता है

अपेक्षित दस्तावेज

अंतिम प्रस्तुत करने की तारीख

#### 3. पोतपरिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि .....

कुल संविदा मूल्य का ..... % होता है

टिप्पणी: यह संलग्नक शीट पोतपरिवहन दस्तावेजों के मद्दे पूरे भुगतान के मामले में अपेक्षित नहीं है।

## IMPORT TRADE CONTROL

## MINISTRY OF COMMERCE

## PUBLIC NOTICE NO. 97-ITC(PN) |85-88

New Delhi, the 19th May, 1986

Subject : Licensing conditions in respect of import of Equipment and Services under the Yen Credit of Yen 1.5 billion extended by the OECF of Japan (1985-86) for implementation of the Ujjani Hydro Electric Project of the Irrigation Department of the Government of Maharashtra.

F. No. IPC/23 (29) |85-88 :—The terms and conditions governing the issuance of import licences under the 1.5 billion Yen Credit extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Ujjani Hydro Electric Project of the Irrigation Department of the Government of Maharashtra as given in Appendix to this public Notice are notified for information.

R. L. MISRA,

Chief Controller of Imports and Exports

## APPENDIX

Licensing conditions in respect of Import of Equipment and services under the Yen credit of Yen 1.5 Billion for the Implementation of the Ujjani Hydro Electric Project of the Irrigation Department, Government of Maharashtra Extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

## Section I — General Conditions

I. (i) The Yen Credit of Yen 1.5 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Ujjani Hydro Electric Project of Irrigation Department, Government of Maharashtra is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I. (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 1.65 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID—P 34". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will

also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to Irrigation Department, Government of Maharashtra, a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Japan Section).

I. (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Irrigation Department, Government of Maharashtra on CIF basis.

I. (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 1.65 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I. (v) The extension of the validity of the Import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I. (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I. (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I. (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I. (xi) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on

production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I. (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows

"\_\_\_\_\_Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of \_\_\_\_\_"

In fixing the terminal date for shipment it would be noted that this date should not be beyond 30-6-90.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II. (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II. (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OPECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid, form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender

evaluation reports etc will be submitted to OECF for its review.

(c) The application documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID—P 34 for 1985-86 the details of which are given in Section VII below.

II. (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II. (v) Eligibility of Supplier.

The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II. (vi) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain material originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II. (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in \_\_\_\_\_ (name of eligible source country)."

I, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that \_\_\_\_\_ (Name of company) has been incorporated and registered in \_\_\_\_\_ (name of eligible source country), and is controlled by nationals of \_\_\_\_\_ (name of eligible source countries concerned)."

### Section III—Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 25th November, 1985 concerning the Yen Credit No. ID-P. 34 (Project Aid) for Ujjani Hydroelectric Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 34 dated 25th November, 1985 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

### Section IV—Review of Contract by OECF

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CCA & A alongwith one copy each of

"Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

### Section V—Payment to the overseas suppliers—Letter of Credit Procedure

V (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and contract documents the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CCA & A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure—III addressed to the Tokyo Branch if the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure—IV (for imports) or Annexure—V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer of the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure—IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the Importer's bank in India and the CCA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CCA & A would inso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be born by the supplier/importer. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them

to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

#### V (v) Reimbursement procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE of the loan agreement.

#### Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. The rupee equivalent of Yen payments made to overseas suppliers are to be deposited into Government of India's Account in the manner prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 109-ITC(PN)/74 dated 3-8-1974 and No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI & E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI & E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K—Deposits and Advances—843—Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—purchase under credits/Loan agreements—Loan from the Government of Japan—1.5 Billion Yen Credit No. ID-P. 34 for the Ujjani Hydroelectric Project—No interest charges are recoverable in respect of imports by Government Department. Therefore provisions of Public Notice of 31-5-1974 for payment of interest will not apply in this case.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No and date.
- (b) Amount of Yen currently in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA & A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipts of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA & A Ministry of Finance (DEA) New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section VII—Miscellaneous provisions

VII (i) Reports on the utilization of the Import licence

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

## VII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the Supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in India conditions of contract.

## VII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions/instructions of orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 34 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECE).

## VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

## VII (vi) List of Annexures

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III Form of Letter of Authority.

Annexure—IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V Form of Letter of Credit (Applicable to services).

## ANNEXURE I

## LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

## A. Developing Countries and Territories.

## (a1.) Non-OPEC Developing Countries

## I. AFRICA, North of Sahara.

Egypt  
Morocco  
Tunisia

## II. AFRICA, South of Sahara

Angola  
Botswana  
Burundi  
Cameroon  
Cape Verde Islands  
Central African Rep.  
Chad  
Comoro Islands  
Congo, People's Republic of  
Dahomey  
Equatorial Guinea (1)  
Ethiopia

Gambia  
Ghana  
Guinea  
Ivory Coast  
Kenya  
Lesotho  
Liberia  
Malagasy Republic  
Malawi  
Mali+  
Mauritania, Mauritius  
Mozambique  
Niger  
Portuguese Guinea  
Reunion  
Rhodesia  
Rwanda

1. Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of

St. Helena and dep (2)  
Sao Tomo and Principe.  
Senegal  
Seychelles  
Sierra Leone  
Somalia  
Sudan  
Swaziland  
Terro. Afars and Issas  
Togo  
Uganda  
Un. Rep. of Tanzania  
Upper Volta  
Zaire Republic  
Zambia

## III. AMERICA, North and Central

Bahamas  
Barbados  
Belize  
Bermuda  
Costa Rica  
Cuba  
Dominican Republic  
El Salvador  
Guadelope  
Guatemala  
Haiti  
Honduras  
Jamaica  
Martinique  
Mexico  
Netherlands Antilles  
Nicaragua  
Panama  
St. Pierre & Miquelon  
Trinidad and Tobago

2. Including the following  
Islands : Ascension,  
Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gaough.
3. Main Islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba,  
St. Eustacit St. Martin (Southern part).

West Indies (Br.) n.i.e  
(a) Associated States (1)  
(b) Dependencies (2)

#### IV. AMERICA, South

Argentina  
Bolivia  
Brazil  
Chile  
Colombia  
Falkland Islands French Guiana  
Guyana  
Paraguay  
Peru  
Surinam  
Uruguay

#### V. ASIA, Middle East

Bahrain  
Israel  
Jordan  
Lebanon  
Oman  
Syrian Arab Republic  
United Arab Emirates (3)  
Yemen Arab Republic  
Hemen, Peoples D. R.(4)

#### VI. ASIA, South

Afghanistan  
Bangladesh  
Bhutan  
Burma  
India  
Maldivis  
Nepal  
Pakistan  
Sri Lanka

#### VII. ASIA, Far East

Brunei  
Hong Kong  
Khmer Republic  
Korea, Republic of Laos  
Macao  
Malaysia  
Phillippines  
Singapore  
Taiwan  
Thailand  
Timor

Viet-Nam, Rep of  
Viet-Nam Dem. Rep.

#### VIII. OCEANIA

Cock Islands  
Fiji  
Gilbert & Ellice Is.  
French Polynesia (5)  
Nauru  
New Calendonia  
New Hebrices (Br. and Fr.)  
Niue  
Pacific Islands (US) (6)  
Papua New Guinea  
Solomon Islands (Br.)  
Tonga  
Wallis and Futuna  
Western Samoa

#### IX. EUROPE

Cyprus  
Gibraltar  
Greece  
Malta  
Spain  
Turkey  
Yugoslavia

1 Main islands: Antique, Dominica, Grenada,  
St. Kitts (St. Caristophe), Nevia-Anguilla, St. Lucia  
and St. Vincent.

2. Main islands : Montserrat, Cayman, Turks and  
Caicos and British Virgin Islands.

3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah,  
Sharjah and Umma al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultanates and  
emirates.

5. Comprising the Society of Islands (Including  
Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier  
Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline  
Islands, Marshall Islands and Marine Islands  
(except Guam).

(a2) Member or Association Countries of OPEC.

Algeria  
Bolivia  
Libyan Arab Republic  
Gabon  
Nigeria  
Ecuador  
Venezuela  
Iran  
Iraq  
Kuwait  
Qatar  
Saudi Arabia  
Abu Dhabi  
Indonesia



## ANNEXURE—II

## REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date:

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001

Sub : Import of from Japan under the  
Yen Credit No. ID-P (Project Aid for 198-8).

Sir,

In connection with the import of from under the above mentioned Yen Credit No. ID-P (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the (name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods
- (e) Origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from noneligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB|O&F value of the contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB|C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).

- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

## ANNEXURE—III

(Letter of Authority Form)

No. F

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch  
Tokyo (Japan)

Subject :—Import under Yen Credit (Project Aid)  
Loan Agreement No. ID-P Issue of Letter  
of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen favouring M/s. as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to \_\_\_\_\_ (Name and address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier|Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier|Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto \_\_\_\_\_.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

## 2. Importers Banker

(i) This has reference to import licence No. \_\_\_\_\_  
dt \_\_\_\_\_

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee, equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 8-ITC (PN) 76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC (PN) 68 dated 30-8-68, 233-ITC (PN) 68 dated 21-10-1968, 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under purchases under Credit|Loan Agreements"—Loan from the Government of Japan 1.5 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P/34 for 1985-86.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice bank guarantees, performance guarantees, negotiable

sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt 18-6-77

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Direct, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Chatemachi 1-Chome Chiyoda-ku. Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

#### ANNEXURE—IV FORM OFCF—I.C. I

##### Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date :

To

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_  
Dated \_\_\_\_\_  
between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of \_\_\_\_\_ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of \_\_\_\_\_ Yen (Say Yen \_\_\_\_\_) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. \_\_\_\_\_ (if any) from To \_\_\_\_\_ Partial shipments are permitted. Transshipment is \_\_\_\_\_ permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than All Drafts and documents under this credit must be

marked "Drawn under \_\_\_\_\_  
ble credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_  
Import Reference No. (s) \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_  
(if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to \_\_\_\_\_
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By: Authorized Signature

ANNEXURE—V  
Form OFCF—I.C. II

##### Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

Date :

To

(Name and address of the Supplier)

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of (Say Yen \_\_\_\_\_) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. \_\_\_\_\_) with regard to \_\_\_\_\_ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. \_\_\_\_\_"

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment (s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)  
By : (Authorized Signature)

#### PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. ....

##### I. Initial Payments

Amount : Yen .....  
being .....% of the total contract price  
Required documents: beneficiary's Statement  
Latest presentation date:

##### II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen .....  
being .....% of the total

contract price to be paid as follows:

Amount due	Latest presentation
------------	---------------------

1st Instalment: Yen	.....
2nd Instalment: Yen	.....
.....	.....

Required documents : A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

#### Statement of Performance

Date :

Ref. No.

To

.....

.....

(Name and address of the Supplier)

RE : Letter of Credit No. .... dated  
issued by .....  
for Yen ..... in favour of concerning  
.....  
Project under Loan Agreement No. ....

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle ..... to receive the sum of Yen ..... (Yen ..... only) from THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. .... dated ..... between ..... and .....

.....  
(Borrower)

By .....  
(Authorized Signature)

#### Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

#### PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. ....

##### I. Initial Payment

Amount : Yen .....  
being .....% of the total contract price.  
Required documents:  
Latest presentation date:

##### II. Intermediate Payment (If any)

Amount : Yen .....  
being .....% of the total contract price.  
Required documents:  
Latest presentation date:

##### III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen .....  
being .....% of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.